श्री बिरबल पटेल की सफलता की कहानी
(शिक्षा, संस्कृत और सेवा की प्रेरणादायक यात्रा)

श्री बिरबल पटेल जी का जन्म वर्ष 1980 में दीपावली के पावन पर्व पर मोंगरगांव, तहसील भगवानपुरा, जिला खरगोन (म.प्र.) में हुआ। बचपन से ही उन्हें शिक्षा के प्रति गहरी रुचि थी। मात्र पाँच वर्ष की आयु में उन्होंने विद्यालय में प्रवेश लिया और गाँव की शासकीय विद्यालय में प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त की। तत्पश्चात उन्होंने खरगोन में अध्ययन जारी रखा और आठवीं कक्षा तक प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

नवमी से बारहवीं तक की शिक्षा उन्होंने "देवी अहिल्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1, खरगोन" में प्राप्त की, जो अब "Govt Excellence School" के रूप में जाना जाता है। दसवीं कक्षा में प्रथम श्रेणी और बारहवीं में जीवविज्ञान विषय के साथ द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण होने के बाद उन्होंने इंदौर के होलकर विज्ञान महाविद्यालय में बी.एस.सी. में प्रवेश लिया। परंतु संस्कृत में गहरी रुचि के कारण उन्होंने बी.एस.सी. छोड़कर खरगोन के शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बी.ए. में प्रवेश लिया। उनके विषय थे – संस्कृत, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र।

बी.ए. के बाद उन्होंने निजी रूप से एम.ए. संस्कृत का अध्ययन किया। वर्ष 2003 में वे संविदा शिक्षक वर्ग 02 के अंतर्गत शासकीय सेवा में नियुक्त हुए। उनकी पहली नियुक्ति शासकीय माध्यमिक विद्यालय शकरखेड़ी में हुई, जहाँ उन्होंने 2003 से 2010 तक अध्यापन कार्य किया। इसी अवधि में उन्होंने विभागीय बी.एड. भी पूर्ण किया।

इसके पश्चात उन्हें भिकनगांव विकासखंड में ब्लॉक अकादमिक समन्वयक (BAC) के पद पर नियुक्त किया गया। दो वर्षों तक इस पद पर कार्य करने के बाद उन्होंने पुनः अध्यापन में वापसी की और शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घुघरियाखेड़ी में अध्यापक के रूप में कार्य किया। वर्ष 2013 में उन्हें प्रभारी प्राचार्य का दायित्व सौंपा गया, जिसे उन्होंने 2015 तक सफलता पूर्वक निभाया।

पदोन्नति के पश्चात वे वरिष्ठ अध्यापक के रूप में "Govt Excellence School, Segaon" में नियुक्त हुए। इस दौरान उन्होंने विभागीय बी.एड. की पढ़ाई खंडवा महाविद्यालय से पूर्ण की। वर्ष 2017 में ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर उनका चयन खरगोन मंडल की उत्कृष्ट संस्था में हुआ। तब से वे "देवी अहिल्या गवर्नमेंट एक्सीलेंस स्कूल, खरगोन" में सेवा दे रहे हैं।

विशेष तथ्य:

श्री बिरबल पटेल जी आज जिस विद्यालय में शिक्षक हैं — "देवी अहिल्या गवर्नमेंट एक्सीलेंस स्कूल, खरगोन" —

वहीं उन्होंने छात्र जीवन में 9वीं से 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त की थी। यह एक दुर्लभ और प्रेरणादायक संयोग है, जो उनके जीवन की पूर्णता और समर्पण को दर्शाता है।

विशेष योगदान और नवाचार:

श्री पटेल जी ने शिक्षा को केवल कक्षा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि तकनीकी नवाचार के माध्यम से इसे विस्तृत किया। उन्होंने Excel आधारित संस्कृत व्याकरण सॉफ़्टवेयर का निर्माण किया, जो विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एक उपयोगी डिजिटल संसाधन बन चुका है।

उन्होंने Hari Om TV नामक यूट्यूब चैनल की स्थापना की, जो आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक विषयों पर केंद्रित है। इस माध्यम से वे समाज में सकारात्मक विचारों का प्रसार कर रहे हैं और युवाओं को भारतीय संस्कृति से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण और संदेश:

श्री पटेल जी का जीवन केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे एक गहरे आध्यात्मिक दृष्टिकोण के धनी हैं। उनका मानना है कि शिक्षा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और आत्मविकास का साधन है।

“शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि आत्मविकास और समाज निर्माण का माध्यम है। यदि हम अपने ज्ञान को सेवा और संस्कार से जोड़ दें, तो शिक्षा एक तप बन जाती है।”

The Success Story of Shri Birbal Patel
(A Journey of Education, Sanskrit, and Service)

Shri Birbal Patel was born in the year 1980 on the auspicious occasion of Deepawali in Mongargaon village, Tehsil Bhagwanpura, District Khargone (M.P.). From early childhood, he had a deep interest in education. At the age of five, he entered school and began his studies in the government school of his village. Later, he continued his education in Khargone and passed up to class 8 with first division.

From class 9 to 12, he studied at “Devi Ahilya Government Higher Secondary School No. 1, Khargone,” which is now known as Govt Excellence School. He passed class 10 with first division and class 12 with second division in Biology. He then enrolled in B.Sc. at Holkar Science College,

Indore. However, due to his strong interest in Sanskrit, he left B.Sc. and joined B.A. at Government PG College, Khargone. His subjects were Sanskrit, Political Science, and Sociology.

After completing B.A., he privately pursued M.A. in Sanskrit. In 2003, he entered government service under Samvida Shikshak Varg 02. His first posting was at Government Middle School, Shakarkhedi, where he served from 2003 to 2010. During this period, he also completed his departmental B.Ed.

Later, he was appointed as Block Academic Coordinator (BAC) in Bhikangaon block. After serving for two years, he returned to teaching and was posted as a teacher at Government Higher Secondary School, Ghghariyakhedi. In 2013, he was entrusted with the responsibility of Acting Principal, which he successfully fulfilled until 2015.

Following his promotion, he was appointed as Senior Teacher at Govt Excellence School, Segaon. During this time, he completed his departmental B.Ed. from Khandwa. In 2017, based on an online examination, he was selected for the district's excellence institution. Since then, he has been serving at "Devi Ahilya Government Excellence School, Khargone."

Special Note:
Shri Birbal Patel is currently serving as a teacher at "Devi Ahilya Government Excellence School, Khargone" — the very institution where he studied from class 9 to 12 as a student. This rare and inspiring coincidence reflects the completeness and dedication of his educational journey.

Special Contributions and Innovations:
Shri Patel did not limit education to the classroom but expanded it through technological innovation. He developed an Excel-based Sanskrit grammar software, which has become a valuable digital resource for students and teachers.

He also founded the Hari Om TV YouTube channel, which focuses on spiritual, cultural, and educational topics. Through this platform, he spreads positive thoughts in society and connects youth with Indian culture.

Spiritual Vision and Message:
Shri Patel's life is not confined to education alone; he is also a person of deep spiritual insight. He believes that education is not merely a means of imparting knowledge, but a medium for character building and self-development.

"Education is not just a tool for obtaining a degree, but a path for inner growth and building a better society. If we combine our knowledge with service and values, education becomes a form of penance."

श्री बिरबल पटेलस्य सफलतायाः - कथा

(शिक्षायाः, संस्कृतस्य च सेवा-यात्रा)

श्री बिरबल पटेलः १९८० तमे वर्षे दीपावल्याः पावने पर्वणि मोंगरग्रामे, भगवानपुरा-उपविभागे, खरगोन-जिलायां जन्म प्राप्तवान्। बाल्यकालात् एव शिक्षायाः प्रति तस्य गाढा रुचिः आसीत्। पञ्चवर्षीयः सन् विद्यालये प्रवेशं कृत्वा ग्रामस्य शासकीय विद्यालये प्रथमतः अध्ययनं कृतवान्। ततः खरगोननगरं गत्वा अष्टमकक्ष्यां पर्यन्तं उत्तमश्रेण्या अध्ययनं कृतवान्।

नवमकक्ष्यायाः आरभ्य द्वादशकक्ष्यां यावत् सः "देवी अहिल्या शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयः क्रमांक १, खरगोन" इत्यस्मिन् अध्ययनं कृतवान्। दशमकक्ष्यायां प्रथमश्रेण्या, द्वादशकक्ष्यायां जीवविज्ञानविषये द्वितीयश्रेण्या उत्तीर्णः अभवत्। ततः इन्दौरनगरे होलकर-विज्ञान-महाविद्यालये बी.एस्.सी. पाठ्यक्रमे प्रवेशं कृतवान्। किन्तु संस्कृतविषये गाढा रुचिः सन् बी.एस्.सी. पाठ्यक्रमं परित्यज्य खरगोनस्य शासकीय स्नातकोत्तर-महाविद्यालये बी.ए. पाठ्यक्रमे प्रवेशं कृतवान्। तत्र तस्य विषयाः आसन् - संस्कृतम्, राजनैतिकशास्त्रम्, समाजशास्त्रम्।

बी.ए. पाठ्यक्रमानन्तरं सः निजीरीत्या संस्कृतविषये एम्.ए. कृतवान्। २००३ तमे वर्षे संविदा शिक्षकवर्गे ०२ अन्तर्गतं शासकीयसेवायाम् प्रविष्टः। तस्य प्रथम नियुक्तिः शासकीय माध्यमिक विद्यालये शकरखेड़ी इत्यत्र अभवत्, यत्र सः २००३ तः २०१० पर्यन्तं अध्यापनं कृतवान्। एतस्मिन् कालखण्डे विभागीय बी.एड् पाठ्यक्रमं अपि पूर्णं कृतवान्।

अनन्तरं भिकनगांव-विकासखण्डे ब्लॉक अकादमिक समन्वयक (BAC) पदे नियुक्तिः प्राप्ता। द्वौ वर्षौ यावत् सः तस्मिन् पदे कार्यं कृत्वा पुनः अध्यापनकार्ये प्रवृत्तः। ततः शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालये घरियाखेड़ी इत्यत्र अध्यापकपदे नियुक्तः। २०१३ तमे वर्षे प्रभारीप्राचार्य दायित्वं प्राप्तवान्, यत् २०१५ पर्यन्तं सफलतया निर्वहितवान्।

पुनः पदोन्नत्याः फलस्वरूपं वरिष्ठाध्यापकपदे "Govt Excellence School, Segaon" इत्यत्र नियुक्तिः अभवत्। एतस्मिन् कालखण्डे विभागीय बी.एड् पाठ्यक्रमं खंडवा-महाविद्यालये पूर्णं कृतवान्। २०१७ तमे वर्षे ऑनलाइन-परीक्षायाः आधारतः तस्य चयनं खरगोन मंडलस्य उत्कृष्टसंस्थायाम् अभवत्। तदा आरभ्य सः "देवी अहिल्या गवर्नमेंट एक्सीलेंस स्कूल, खरगोन" इत्यत्र सेवा दत्तवान्।

विशेषतत्त्वम्:
श्री बिरबल पटेलः यत्र विद्यालये अध्यापकपदे वर्तमानं सेवां दत्तवान् अस्ति — "देवी अहिल्या गवर्नमेंट एक्सीलेंस

स्कूल, खरगोन” — तत्रैव सः छात्ररूपेण नवमकक्ष्यायाः आरभ्य द्वादशकक्ष्यां यावत् अध्ययनं कृतवान्। एषः संयोगः जीवनस्य पूर्णत्वं समर्पणं च दर्शयति।

विशेषयोगदानम् च नवोन्मेषः:
श्री पटेलः शिक्षायाः क्षेत्रे केवलं कक्षायाः सीमायाम् न स्थितवान्, अपि तु तां तकनीकी-नवोन्मेषेन विस्तृतवान्। तेन Excel-आधारित-संस्कृत-व्याकरण-सॉफ़्टवेयर निर्माणं कृतम्, यः छात्राणां शिक्षकेभ्यश्च उपयोगी डिजिटल-साधनरूपेण प्रसिद्धः।

Hari Om TV इत्याख्यं यूट्यूब-चैनल अपि तेन आरब्धम्, यः आध्यात्मिक-सांस्कृतिक-शैक्षिक-विषयेषु केन्द्रितः अस्ति। अस्य माध्यमेन सः समाजे सकारात्मकविचाराणां प्रसारं कुर्वन् युवानां भारतीय-संस्कृत्या सह सम्बन्धं स्थापयति।

आध्यात्मिकदृष्टिः च संदेशः:
श्री पटेलस्य जीवनं केवलं शिक्षायाम् न स्थितम्, अपि तु सः गम्भीर-आध्यात्मिक-दृष्टेः अपि स्वामी अस्ति। तस्य अभिप्रायः अस्ति यत् शिक्षा केवलं ज्ञानप्रदानस्य साधनं न, अपि तु चरित्रनिर्माणस्य आत्मविकासस्य च माध्यमम्।

“शिक्षा केवलं डिग्रीप्राप्तेः साधनं न, अपि तु आत्मविकासस्य समाजनिर्माणस्य च माध्यमम्। यदि वयं स्वज्ञानं सेवा-संस्काराभ्यां संयोजयेम, तर्हि शिक्षा तपः भवति।”